रौल नं०.....नाम परीक्षार्थी.....

XII-1 अर्द्धवार्षिक परीक्षा सन् 2022–23 ई० A

हिन्दी (केवल प्रश्न–पत्र)

समय – 3.00 घण्टा कक्षा – 12 खण्ड 'क' पूर्णांक – 100

1. (क) वर्ण–रत्नाकार' किस भाषा में है :– 1
   (अ) खड़ी बोली (ब) भोजपुरी
   (स) मैथिली (द) ब्रजभाषा।
   (ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी लेखक हैं :– 1
   (अ) भारतेन्दु युग के (ब) द्विवेदी युग के
   (स) शुक्ल युग के (द) प्रेमचन्द युग के।
   (ग) 'चन्द्रावली' के रचयिता हैं.:– 1
   (अ) रामचन्द्र शुक्ल (ब) सेठ गोविन्ददास
   (स) श्यामसुन्दरदास (द) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।
   (घ) 'तट की खोज' रचना है :– 1
   (अ) रायकृष्णदास की (ब) सरदार पूर्णसिंह की
   (स) हरिशंकर परसाई की (द) मोहन राकेश की।
   (ङ) 'राष्ट्र का स्वरूप' के रचनाकार हैं :– 1
   (अ) पूर्णसिंह (ब) रामवृक्ष बेनीपुरी
   (स) वासुदेवशरण अग्रवाल (द) अज्ञेय।

www.modelpaper.info & gyanisindhuclasses.com

2. (क) हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने कालों में विभाजित किया गया है और कौन–सा काल स्वर्णकाल कहा जाता है? 1
   (ख) हिन्दी के प्रथम कवि का नाम लिखिए। 1
   (ग) भक्तिकाल की ज्ञानाश्रयी शाखा के दो कवियों के नाम लिखिए। 1
   (घ) अष्टछाप के किन्हीं दो कवियों का नाम लिखिए। 1
   (ङ) केशवदास हिन्दी के किस युग के कवि हैं? उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए। 1

3. निम्न गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:– 10

यह प्रणाम–भाव ही भूमि और जन का दृढ़ बन्धन है। इसी दृढ़भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है। इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिरजीवन आश्रित रहता है। इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्त्तव्य और अधिकारों का उदय होता है। जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के सम्बन्ध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है। माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्त्तव्य है। वह एक निष्कारण धर्म है। स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम, पुत्र के अधः पतन को सूचित करता है। जो जन मातृभूमि के साथ अपना सम्बन्ध जोड़ना चाहता है, उसे अपने कर्त्तव्यों के प्रति पहले ध्यान देना चाहिए।

(अ) गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) धरती माता के प्रत्येक सच्चे पुत्र का क्या कर्त्तव्य है?
(द) किस दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है?

(पृष्ठ पलटिए)

अथवा

आज जिसे हम बहुमूल्य संस्कृति मान रहे हैं, वह क्या ऐसी ही बनी रहेगी? सम्राटों-सामन्तों ने जिस आचारनिष्ठा को इतना मोहक और मादक रूप दिया था, वह लुप्त हो गई। धर्माचार्यों ने जिस ज्ञान और वैराग्य को इतना महार्घ समझा था, वह लुप्त हो गया, मध्ययुग के मुसलमान रईसों के अनुकरण पर जो रस-राशि उमड़ी थी, वह वाष्प की भाँति उड़ गई, क्या यह मध्ययुग के कंकाल में लिखा हुआ व्यावसायिक-युग का कमल ऐसा ही बना रहेगा? महाकाल के प्रत्येक पदाघात में धरती धसकेगी। उसके कुण्ठनृत्य की प्रत्येक चारिका कुछ-न-कुछ लपेटकर ले जाएगी। सब बदलेगा, सब विकृत होगा- सब नवीन बनेगा।

(अ) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) हम आज की संस्कृति को बहुमूल्य क्यों मान रहे हैं?
(द) धर्माचार्यों ने जिस-जिस ज्ञान को इतना मूल्यवान् समझा था, उसकी क्या दशा हुई?

. निम्न में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 10

(क) निकसि कमंडल तैं उमंडि नभ-मंडल खंडति।
धाई धार अपार बेग सौं बायु बिहंडति।
भयौ घोर अति शब्द धमक सौं त्रिभुवन तरजे॥
महामेघ मिलि मनहु एक संगहिं सब गरजे।
www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com
निज दरेर सौं पौन-पटल फारति फहरावति॥
सुर-पुर के अति सघन घोर घन घसि घहरावति॥
चली धार धुधकारि धरा-दिसि काटति कावा।
सगर-सुतनि के पाप-ताप पर बोलति धावा॥

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) वेग के साथ गंगा के आगे बढ़ने पर हुए भयंकर शब्द से कौन भयभीत हो गए?
(द) गंगा के उतरने का प्रचण्ड वेग कैसा था?

(ख) मसृण गान्धार देश के, नील
रोम वाले मेधों के चर्म,
ढक रहे थे उसका वपु कान्त
बन रहा था वह कोमल वर्म।

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने किसका चित्रण किया है?
(द) कवि के अनुसार श्रद्धा के वस्त्र कैसे थे?

. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5

(अ) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल (ब) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
(स) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5

(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) मैथिलीशरण गुप्त

(स) जयशंकर प्रसाद

. 'बहादुर' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी की कथा अपने शब्दों में लिखिए। 5

. स्वपठित नाटक के किसी एक पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

खण्ड 'ख'

. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 7

(क) धन्योऽयं भारतदेश यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति।

अथवा

यदा अयं षोडशवर्षदेशीय आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनी विषूचिकया पञ्चत्वं गता। वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवङ्गतः। द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्य मनसि-कथमहं कथंवायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः प्रज्वलितः। एकस्मिन् दिवसे अस्तङ्गते भगवति भास्वति मूलशंकरः गृहमत्यजत्।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :- 7

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्॥

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

अथवा

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च।
सम्पतौ च विपतौ च महतामेकरूपता॥

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:- 4

(क) संस्कृतभाषायाः मुख्याः कवयः के सन्ति?

(ख) मैत्रेयी कस्य पत्नी आसीत्?

(ग) चतुष्पदाः सन्निपत्य किम् अकुर्वन्?

(घ) दिलीपः कां शशाक?

. (क) हास्य रस अथवा करूण रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

(ख) अनुप्रास अलंकार अथवा श्लेष अलंकार की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

(ग) सोरठा अथवा रोला छन्द की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए तथा प्रारम्भ में संक्षिप्त रूपरेखा भी लिखिए:- 9

(क) साहित्य समाज का दर्पण है।

(ख) ग्रामीण व्यवस्था और कृषक-जीवन।

(ग) स्वच्छ भारत अभियान।

(क) (अ) 'हरिश्चरित' का सन्धि-विच्छेद होगा :- 1

(i) हरिः + चरति (ii) हरी + चरति

(iii) हरि + श्चरति (iv) हरिर् + चरित।

(पृष्ठ पलटिए)

(ब) 'लभ् + धः' की सन्धि होगी :- 1

(i) लभधः (ii) लब्धः

(iii) लभ्यः (iv) लध्धः।

(स) 'गुरो + अनु' की सन्धि है :- 1

(i) गुरवनु (ii) गुरोऽनु

(iii) गुरावनु (iv) गुरोरनु।

(ख) (अ) निम्न में से किसी एक शब्द का समास विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए :- 1

प्रतिदिनम्, आजन्म, महापुरुषः, महाधनः।

(ब) 'यथाशक्ति' में समास है :- 1

(i) बहुव्रीहि समास (ii) कर्मधारय समास

(iii) अव्ययीभाव समास (iv) कोई नहीं।

13. (क) (अ) 'आत्मभ्यः' रूप है :- 1

(i) तृतीया, द्विवचन का (ii) तृतीया, बहुवचन का

(iii) चतुर्थी, द्विवचन का (iv) पञ्चमी, बहुवचन का।

(ब) 'नामन्, का प्रथमा, बहुवचन में रूप होता है :- 1

(i) नाम्ना (ii) नाम्नी

(iii) नाम्नोः (iv) नामानि।

(ख) (अ) 'स्था, धातु, लृटलकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का रूप होगा :- 1

(i) स्थास्यतः (ii) स्थास्यामः

(iii) स्थास्यथ (iv) स्थास्यसि।

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

(ब) 'अपिबः' रूप है 'पा' धातु का :- 1

(i) लोट्, उत्तम, एकवचन (ii) लङ्, मध्यम, एकवचन

(iii) विधिलङ्, प्रथम, बहुवचन (iv) लृट्, प्रथम, एकवचन।

(ग) (अ) निम्न में से किसी एक शब्द में धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए :- 1

दत्ता, प्रेषित, नीत्वा।

(ब) 'नीत्वा' शब्द में प्रत्यय है :- 1

(i) क्त (ii) क्त्वा (iii) अनीयर् (iv) तल्।

(घ) (अ) निम्न में से किसी एक रेखांकित शब्दों में विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए :- 1

(i) देवेभ्यः/सूर्याय स्वाहा (ii) रामः लक्ष्मणेन सह गच्छति।

(ब) 'पादेन खञ्जः।' में रेखांकित पद में विभक्ति है :- 1

(i) द्वितीया (ii) चतुर्थी (iii) सप्तमी (iv) तृतीया।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :- 4

(क) विद्या व्यय करने पर बढ़ती है।

(ख) खेत के दोनों ओर भवन हैं।

(ग) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है।

(घ) मोहन चावलों से भात पकाता है।

(ङ) हिमालय भारत की रक्षा करता है।

(च) तुम प्रतिदिन ईश्वर का स्मरण करो।